

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



उत्तरी छोटानागपुर

प्रमण्डलीय

दोजगाद मेला

(ऑफर लेटर वितरण)

लगभग
11,850
युवाओं को मिलेगा
ऑफर लेटर



मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

माननीय सांसद, कोडरमा लोकसभा
सह शिक्षा दाज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास,
ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज विभाग, झारखण्ड

श्रीमती बेबी देवी

माननीय मंत्री, उत्पाद एवं मध्य निषेध विभाग,
झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

माननीय सांसदगण एवं माननीय विधायकगण
उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, झारखण्ड

दिनांक: 11 सितंबर, 2023 | समय: अपराह्न 1 बजे

स्थान: विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

जी-20 शिखर सम्मेलन से दुनिया में बजा मोदी का डंका

■ यादगार आयोजन बन गया पीएम मोदी का बड़ा 'मास्टर स्ट्रोक'

■ साझा घोषणा पत्र जारी कर भारत ने दिखायी कूटनीतिक ताकत

■ न चीन हुआ दुखी और न रूस परेशन, हर कोई हो गया संतुष्ट

भारत की अध्यक्षता में एक साल से चल रहा जी-20 सम्मेलन रविवार को साझा नवी दिल्ली घोषणा पत्र जारी करने के साथ संपन्न हो गया। इस शिखर सम्मेलन के फलाफल की विवेचना आवश्यक दिनों में होती रहेगी, लेकिन इस भव्य कूटनीतिक आयोजन की सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि इसने दुनिया में भारत के सामर्थ्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति का डंका बजा दिया। शिखर सम्मेलन में सभी सदस्य देशों द्वारा नवी दिल्ली घोषणा पत्र पर सहमत होना भारत की बहुत बड़ी कामयाबी है। पीएम मोदी ने शिखर

सम्मेलन के पहले दिन दूसरे सत्र में यह एलान किया, उनके बाद रहे पर गर्व, संतोष और विजय का भाव था। यह साझा घोषणा पत्र इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच संयुक्त घोषणा पत्र पर आम सहमति बनाना भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक परीक्षा

थी, जिसमें वह पास हुआ। 24 घंटे पहले तक जी-20 संभव दिख रहा था, उसे भारत की कूटनीति ने संभव बना दिया। एक तरफ अमेरिका और यूरोपीय देश, तो दूसरी तरफ रूस और चीन। एक की जिद यह कि साझा घोषणा पत्र में यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा हो, तो दूसरे की जिद यह कि युद्ध का जिक्र ही न हो। यह घोषणा पत्र व सिर्फ भारत की कूटनीतिक जीत है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए घरेलू राजनीति के लिहाज से भी बहुत बड़ी कामयाबी है। इतना ही नहीं, पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन के शानदार आयोजन से दुनिया के समने भारत के सामर्थ्य का काबिली-तारीफ प्रदर्शित कर बताया है कि नये भारत में क्या हो रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के उद्देश्यों के अलावा इसकी कूटनीतिक सफलता के बारे में बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

सभी देशों की सहायता बन गयी। नवी दिल्ली में आजाद भारत के पहले ही दिन दूसरे सत्र की शुरुआत में पीएम मोदी ने विशेष मेहमानों को संबोधित करते हुए कहा, नवी दिल्ली जी-20 के सभी देशों को खुश कर दिया। इतना ही नहीं, जी-20 के पिछले वर्ष हुए सम्मेलन में अफ्रीकी संघ ने इस समूह में शामिल करने का अग्रह किया था। दिल्ली में सभी सदस्य देशों की मौजूदगी में पीएम मोदी ने अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थान सदस्य बनाने की घोषणा कर दी। सभी सदस्य देशों ने इसका स्वागत किया।

पहले ही दिन मोदी की घोषणा

शिखर सम्मेलन के पहले ही दिन दूसरे सत्र की शुरुआत में पीएम मोदी ने विशेष मेहमानों को संबोधित करते हुए कहा, नवी दिल्ली जी-20 घोषणा पत्र पर का डंका बताते हुए कहा, नवी दिल्ली जी-20 का घोषणा पत्र में बड़ा बदला हुआ है। इसका बाद मोदी ने कहा, मैं चाहता हूं कि इस घोषणा पत्र को अंग्रीकृत कर लिया जाये। कुछ ही देर बाद मोदी ने घोषणा कर दी कि दिल्ली घोषणा पत्र को मंजूर कर लिया गया है। भारत का अध्यक्षता में सभी सदस्य देशों की मंजूरी मिल पायी। जब चीन के राष्ट्रपति पुतिन ने दिल्ली पहुंचने में असमर्थ्य तातों, तो वह संदेह और अधिक पुरुद्ध हो गया। यहां तक कि शिखर सम्मेलन के दैरान भी यह सावाल हवा में तैरता रहा। लेकिन शिखर सम्मेलन के फहले ही दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मास्टर स्ट्रोक लगा दिया। घोषणा पत्र पर



आजाद सिपाही विशेष

सामान्य बात होती है। इतना सामान्य, जैसे कोई रस्म हो। फिर नवी दिल्ली जी-20 घोषणा पत्र में बवा खास था और यह भारत की बड़ी सफलता क्यों है। इस सवाल का जवाब है - रूस-यूक्रेन युद्ध पर क्या देशों के बीच गंभीर खात्री खाई। पिछले साल इंडोनेशिया के बालों में जी-20 शिखर सम्मेलन हुआ था और यूक्रेन युद्ध के बावजूद सभी सदस्य देश संयुक्त घोषणा पत्र पर सहमत हुए थे। लेकिन उसके बाद परिस्थितियां बदलीं। इस साल भारत को जी-20 की मेजबाजी मिली, लेकिन इसकी बैठकों पर रूस-यूक्रेन युद्ध का साथा मंडराता रहा। जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह एक बड़ी जीत थी।

साझा घोषणा पत्र क्यों है अहम

किसी भी अंतर्राष्ट्रीय संगठन के शिखर सम्मेलन में सभी सदस्य देशों की तरफ से साझा घोषणा पत्र या साझा बयान जारी करना बहुत ही

के बिना खत्म हुई। रूस और चीन ने यूक्रेन युद्ध, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा के मुद्दों पर अडिगल रवैया अपनाया, जिससे मंत्रियों की पिछली बैठकों में साझा बयानों पर सहमति नहीं बन पायी थी।

क्या थी घोषणा पत्र में अद्यन्त

नवी दिल्ली शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले तक संयुक्त घोषणा पत्र मुश्किल नहीं दिख रहा था। इस पर सहमति नहीं बन पा रही थी कि यूक्रेन युद्ध का जिक्र किस तरह किया जाये। इसके मसौदे में भू-राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है। हालांकि हम स्थीकार करते हैं कि इन मुद्दों का वैश्विक अधिकारी सहयोग के रूप में लिखा है, हम इस बात के बावजूद यूक्रेन युद्ध का जिक्र था। संशोधित रूप से यूक्रेन युद्ध का जिक्र था। भू-राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है। हालांकि हम स्थीकार करते हैं कि इन मुद्दों का वैश्विक अधिकारी सहयोग के रूप में लिखा है। एक पृथक, एक परिवार और एक भवित्व की भावना से साझोंकों के बीच शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी संबंधों को बढ़ावा देना होगा।

यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की निंदा में कड़े से कड़े शब्द के साथ बदला किया जाता है, जिसके लिए रूस की विवरणीय अधिकारी सहयोग के रूप में लिखा है, हम इस बात के बावजूद यूक्रेन युद्ध का जिक्र था। रूसी तरफ रूस और चीन ने इस बात के बावजूद यूक्रेन युद्ध का जिक्र था। भू-राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है। हालांकि हम स्थीकार करते हैं कि इन मुद्दों का वैश्विक अधिकारी सहयोग के रूप में लिखा है। एक पृथक, एक परिवार और एक भवित्व की भावना से साझोंकों के बीच शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी संबंधों को बढ़ावा देना होगा।

क्या है घोषणा पत्र में

भारत की कूटनीति ने दोस्रे सत्र में यूक्रेन युद्ध का जिक्र था।

रूस-यूक्रेन के लिए भी कह दी ये बात

इसके बाद 13वें पैराग्राफ में लिखा, हम सभी देशों से क्षेत्रीय

शिखर ही हैं आदर्श समाज के शिल्पकार: डॉ रामेश्वर उरांव

ज्ञारखंड के वित मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने इस अवसर पर व्यक्ति के जीवन में शिखक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज कोई भी व्यक्ति के जीवन में शिखकों का योगदान है, जिन्होंने उन्हें गढ़ा है। अपने विद्यार्थी जीवन के सम्बन्धों का मुनाफ़ा है और सिर्फ उन्हें को कायम रखते हैं। उन्होंने एक पृथक, एक परिवार और एक भवित्व की भावना से साझोंकों के बीच शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी संबंधों को बढ़ावा देना होगा। अगर साझा घोषणा पत्र या जी-20 शिखर सम्मेलन के सफलता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए चूनाव में भी भुनानी की जाए, तो यह अपने विद्यार्थी जीवन में एक बड़ा बदलाव हो जाता। लेकिन नवी दिल्ली घोषणा पत्र पर

रामेश्वर उरांव ने इस अवसर पर व्यक्ति के जीवन में शिखकों का योगदान है, जिन्होंने उन्हें गढ़ा है। अपने विद्यार्थी जीवन के सम्बन्धों का मुनाफ़ा है और सिर्फ उन्हें को कायम रखते हैं। उन्होंने एक पृथक, एक परिवार और एक भवित्व की भावना से साझोंकों के बीच शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी संबंधों को बढ़ावा देना होगा। अगर विद्यार्थी जीवन में शिखकों का योगदान है, तो वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन इस तरह से कर सकता है। उन्होंने प्राइवेट स्कूल एंड विंड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञारखंड के विधायक सम्मान समारोह में शामिल होना चाहिए। इसके बाद उन्होंने एक पृथक, एक परिवार और एक भवित्व की भावना से साझोंकों के बीच शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी संबंधों को बढ़ावा देना होगा। अगर विद्यार्थी जीवन में शिखकों का योगदान होता है, तो वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन इस तरह से कर सकता है। उन्होंने प्राइवेट स्कूल एंड विंड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की प्रारंभिक कामयाबी की जीवन में शिखकों का योगदान है।

विद्यार्थी जीवन में शिखकों का योगदान है, जिन्होंने उन्हें गढ़ा है। अपने विद्यार्थी जीवन के सम्बन्धों का मुनाफ़ा है और सिर्फ उन्हें को कायम रखते हैं। उन्होंने एक पृथक, एक परिवार और एक भवित्व की भावना से साझोंकों के बीच

संपादकीय

डायबिटीज की चुनौती

दे श में डायबिटीज के मरीजों की संख्या को लेकर आये तजा अंकड़े निश्चित रूप से बैंकों वाले हैं, लेकिन इन्हें बतावरी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। जाने-मानी स्वास्थ्य परिवर्तन 'लासेट' में प्रकाशित भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिवर्तन (आइसीएमआर) के तजा अध्ययन के मुताबिक, देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10 करोड़ से ऊपर हो गयी है। हरानी की बात यह है कि पिछले चार साल के अंदर इसमें 44 फीसदी की बढ़ोतारी हुई है। जो बात इन अकेडों को ज्यादा गंभीर बनाती है, वह यह भी है कि प्री-डायबिटीज मरीजों की संख्या भी कम नहीं है। ताजा सर्वे के मुताबिक अगर देश की 11.4 फीसदी आवादा डायबिटीज श्रेणी में है। प्री-डायबिटीज श्रेणी में उन लोगों को रखा जाता है, जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य से ज्यादा होता है, लेकिन इन्हाँ ऊपर नहीं होता कि टाइप-2 डायबिटीज की श्रेणी में शमिल किया जा सके। वे ऐसे लोग होते हैं, जिनके डायबिटिक होने का अंदरा रहता है। प्री-डायबिटीज का कोई सामाना डायबिटीज में शमिल होगा या नहीं और होगा, तो किन्तु न समय में, इसे लेकर निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन विशेषज्ञ अगर तौर पर मानते हैं कि ऐसे एक तिहाई मामले डायबिटीज में तब्दील हो जाते हैं।

खासकर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहाँ हर एक डायबिटिक व्यक्ति पर प्री-डायबिटीज के क्रमशः चार और तीन मामले बताये जा रहे हैं। इन हालात में खासकर तौर पर किडनी मरीजों की संख्या में इनाफा होने जैसी स्थितियों के लिए तैयार रहने की जरूरत है।

दूसरे एक तिहाई मामले प्री-डायबिटीज मरीजों में ही बने रहते हैं, जबकि अखिरी एक तिहाई जीवन आदि काल से अविलंप्य प्रवाह के समान बह रहा है। हमारे बैंक लाइन पूर्जों ने मानव को समजता से समाजत की ओर और संस्कारित करने के उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तरह भावाकृति का। राष्ट्र के आठ संतंभ हैं, सत्य, ब्रह्म, त्रैतम, उग्रम, दीक्षा, तप, द्वाषा और यज्ञ।

भारत का अर्थ है, भा अर्थात् प्रकाश में रमन। वास्तव में राष्ट्र का भी अर्थ वही है जो आपको जीवन को लाने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। ऐसे कई मरीजों को डायलिसिस की जरूरत पड़ती है। न केवल ऐसी मरीजों का है और ज्यादातर शहरी केंद्रों तक सौमित्र है, बल्कि उनका बहुत खचाला होता ही उन्हें ज्यादातर किडनी मरीजों की पहुंच से दूर कर देता है। गैर-सरकारी संगठनों और अन्य सेवाधारीओं की ओर से जहाँ-तहाँ ऐसी सेवाएं मुफ्त की कीमत पर उपलब्ध करायी जाती है। लेकिन यह अव्यवस्थित, अनियमित और अपर्याप्त है। जाल में केरल सरकार की ओर से जस्तर राज्य में किडनी मरीजों को मुफ्त डायलिसिस सेवा उपलब्ध कराने की एक योजना शुरू की गयी है, जिसके तहत हर जिले के कम से कम एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र में ऐसे सुरु करने की बात है। यह हफल सराहनीय तो है ही, अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय भी है।

अभिमत आजाद सिपाही

आरटीय सार्ट्रत्व के प्रवाह की गति निहारने में रामायण और महाभारत युग ही पर्याप्त फलदारी है। इस युग में आसेतु हिमाचल की संकल्पना का विकास, देश की अखिलता की पहचान, राष्ट्र-संघ विनेत, सांकृतिक सार्ट्रीय व्यवहार का प्रांत नजर आता है। रामायण काल में सार्ट्रत्व का गुणान्वित विकास हुआ। हिमाचल देश के दक्षिण व्यवस्था थी। वेदकाल में उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तरह भावाकृति का। राष्ट्र के आठ संतंभ हैं, सत्य, ब्रह्म, त्रैतम, उग्रम, दीक्षा, तप, द्वाषा और यज्ञ।

सुखदेव वशिष्ठ

भारत में जीवन आदि काल से अविलंप्य प्रवाह के समान बह रहा है। हमारे बैंक लाइन पूर्जों ने मानव को समजता से समाजत की ओर और संस्कारित करने के उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तरह भावाकृति का। राष्ट्र के आठ संतंभ हैं, सत्य, ब्रह्म, त्रैतम, उग्रम, दीक्षा, तप, द्वाषा और यज्ञ।

अंग्रेजों ने भी हमारे राष्ट्र जीवन को छिन्न-मिन्न करने का प्रयास किया।

संघित व्यवस्था थी। वेदकाल में उपजा राष्ट्रत्व सहस्रों वर्षों के बाद लोक अनुभवों और लोक व्यवहार के कारण परिमार्जित होता गया और उसमें राजत्व जुटाता गया। भारतीय राष्ट्रत्व के प्रवाह की गति निहारने में रामायण और महाभारत युग में धर्मान्वयन के उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तरह भावाकृति का। राष्ट्र के आठ संतंभ हैं, सत्य, ब्रह्म, त्रैतम, उग्रम, दीक्षा, तप, द्वाषा और यज्ञ।

भारतीय राष्ट्रत्व के प्रवाह की गति निहारने में रामायण और महाभारत युग में धर्मान्वयन के उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तरह भावाकृति का। राष्ट्र के आठ संतंभ हैं, सत्य, ब्रह्म, त्रैतम, उग्रम, दीक्षा, तप, द्वाषा और यज्ञ।

भारतीय राष्ट्रत्व के प्रवाह की गति निहारने में रामायण और महाभारत युग में धर्मान्वयन के उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तरह भावाकृति का। राष्ट्र के आठ संतंभ हैं, सत्य, ब्रह्म, त्रैतम, उग्रम, दीक्षा, तप, द्वाषा और यज्ञ।

भारतीय राष्ट्रत्व के प्रवाह की गति निहारने में रामायण और महाभारत युग में धर्मान्वयन के उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तरह भावाकृति का। राष्ट्र के आठ संतंभ हैं, सत्य, ब्रह्म, त्रैतम, उग्रम, दीक्षा, तप, द्वाषा और यज्ञ।

भारतीय राष्ट्रत्व के प्रवाह की गति निहारने में रामायण और महाभारत युग में धर्मान्वयन के उद्देश्य से ही गुणों के आधार पर मानवी व्यवस्था की कल्पना की। वे हमारी तरह गृहस्थ, पर ऋषि-महारथी थे। वे जानते थे कि कर्म से ही कार्य सफल होता है। अब: उन्होंने दीशा ली और अखिर तप पर जाकर, जिसके फलस्वरूप उन को बल, ओंज और राष्ट्र का दर्शन हुआ। मनुष्य का समूह प्रबुद्ध बनने की महती व्यवस्था का अभग घटक बना, अर्थात् राष्ट्र बन गया। जनपद जब सामृद्धिक गुणान्वित और सुसंस्कृत होता है, तो राष्ट्र बन जाता है। इस प्रकार वेदकाल में भारत में राष्ट्र नामक जन जीवन तर

गुमला

महत्वपूर्ण न्यूज़

भाजपाइयों ने मेरी माटी मेरा देश अभियान तहत अमृत कलश यात्रा की शुरुआत की

सिरेई (आजाद सिपाही)



भाजपाइयों द्वारा मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत देश के अमृत कलश यात्रा गोदावर व एकता का प्रतीक अमृत कलश यात्रा की शुरुआत रविवार को प्रखड़ के बरगांव स्थित वीर शहीद लोहरा उरांव के पैतृक आवास से मिट्टी संग्रह कर किया गया। इस दौरान पुरुष स्त्रीकर डॉ दिनेश उरांव ने कहा की दिल्ली के राजपथ में देश के वीर शहीद लोहरा के घरों की पवित्र मिट्टी लेकर अमृत वाटिका की स्थापना की जायेगी। इसी के तहत प्रखड़ में अमृत कलश यात्रा की शुरुआत रविवार के वीर शहीद लोहरा उरांव के पैतृक आवास से मिट्टी कलश में लेकर की गयी है। प्रखड़ के कई वीर सपूत्रों के पैतृक गांव जाकर अमृत वाटिका की स्थापना के लिए पवित्र मिट्टी का संग्रहण किया जाया। इस मोके पर प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी अमन यादव, वरिष्ठ कार्यकर्ता लालमोहन साहू, निरंजन, नन्दिकेश, रविन्द्र, सुखाल, वसंत, सुरेश गोप सहित कई भाजपाई शमिल थे।

कार हुई दुर्घटनागत, कोई हताहत नहीं

चैनपुर (आजाद सिपाही)



थाना क्षेत्र के काटिंग गांव के समीप रविवार को एक कार गाड़ी संतुष्टा ने एच आ० १५ जैन ५०२ दुर्घटना प्रतीक हो गयी जिसमें सवार वाहन वालक बाल बाल बर बर गया घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कार चालक बैंदोरा से टोगो वर्च में लोगों को छोड़कर वापस बैंदोरा की ओर आ रहा था तभी काटिंग गांव के समीप बकरी को बचाने के क्रम में कार अनियन्त्रित होकर गड्ढे में पलट गयी जिसके बाद स्थानीय लोगों ने किसी प्रकार गाड़ी को बाहर निकाला वहीं कार बैंदोरा निवासी प्रदीप बाड़ा का बताया जा रहा है।

जनजातीय ग्रामीण ओलंपिक प्रतिभा चयन का शुभारंभ

बिशनपुर (आजाद सिपाही)



प्रखड़ स्थित एसएस हाई स्कूल स्ट्रेडियम मैदान में अंडर 15 जनजातीय ग्रामीण ओलंपिक प्रतिभा चयन का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पटना में पदस्थानी के डीएईनी रविंद्र भगत योग्य रूप में उपस्थित हुए। इस मोके पर उन्होंने उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय ग्रामीण ओलंपिक के बच्चों के लिए एक प्लेटफॉर्म है। इस कार्यक्रम के माध्यम से गांव में छुपी हुई प्रतिभा को एक मंच देने का काम जनजातीय ग्रामीण ओलंपिक के माध्यम से किया जा रहा है। बिशनपुर जैसे सुदूरपश्चिम में प्रतिभा को कोई कमी नहीं है। मगर संसाधनों की कमी के कारण देख से यहाँ के बच्चों को अच्छे लेटोपर्फर्म नहीं मिल पाता है। जिस कारण बच्चों की प्रतिभा गांव भर के तरिके नहीं रहती है आज विशुनपुर प्रखड़ की बैठी अंडम उरांव संसाधन नहीं रहने के कारण यह बच्चे खेल नहीं पाते हैं। ग्रामीण ओलंपिक के माध्यम से बच्चों में काफी उत्साह देखने का मिल रहा है। इस मोके पर मुख्य रूप से बनारी सुधीर डॉक्टर राकेश, अरविंद, अमित, विदेशर, महावीर सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे।

ऑनलाइन भूमि सुधार में हो रही ग्रुटियों को लेकर आदिवासी मूलवासी की बैठक

कामडारा (आजाद सिपाही)



भारतमाला सङ्काल परियोजना के विरोध में और ऑनलाइन भूमि सुधार में हो रही ग्रुटियों को लेकर शनिवार को सामुदायिक किसान भवन कामडारा की आदिवासी मूलवासी किसान मजदूर बांधा संर्वो समिति के बैठन तले एक बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने बैठक में विश्वास एवं विश्वास प्राप्त करते के रूप में ग्रामीण शामिल हुए थे। उन्होंने बैठक में एक खार पक्का कहा कि भारतमाला सङ्काल परियोजना को सरकार यथास्थित रह करे। यूंके भारतमाला सङ्काल के निर्माण होने से बेंधे के गरीब किसान भीमीहीन हो जायेंगे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ अपनी जीविकोपार्जन के लिये काफी दिक्कत होगी करीं तो अब जलदेगा, बसिया, कामडारा और कर्क ख्रेड़ के ग्रामीणों के साथ मिलकर जारीदार आदेलन चलाया जायेगा। इसके अलावे बैठक में ग्रामीणों ने ऑनलाइन भूमि सुधार में हो रही ग्रुटियों और कामडारा व बसिया अंचल से संबोधित लवित अन्य कारों का शीघ्र नियादन करने को लेकर चर्चा किया। बैठक में ग्रामीणों ने अपनी जीविकोपार्जन के लिये काफी दिक्कत हो रही है।

सेवानिवृत बीड़ों को सादे समारोह में दी विदाई

चैनपुर (आजाद सिपाही)



चैनपुर बीड़ों अल्पा सलानी जोजी के सेवानिवृत होने पर साथी कामडारी और शिक्षकों ने भाव पूर्ण विदाई दी। विदाई समारोह एवं रक्ती अंडम स्कूली छात्रियों ने सार्वत्रिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके बाद शिक्षकों ने उनके कार्यकाल का वर्णन करते हुए प्रश्नावाचकार के लिये उपलब्ध करनी है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ घासरा की बैठक

घासरा (आजाद सिपाही)



प्रखड़ मुख्यालय स्थित विनियोजन विधारी सिंह के आवास में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ घासरा की बैठक प्रखड़ अंधक अरुंजय सिंह की अध्यक्षता में रविवार को संपन्न हुई। इस दौरान उग्रेद सिंह ने समाज के लिए सामुदायिक भवन बनाने हेतु प्रतापाई रियत अपना जीमीन समाज को दान में दिया है। बैठक में पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह ने कहा कि हम सभी को मिलकर समाज करने की साथ कोई उपर्युक्त करते हुए रहते हैं। किसी भी तरह से किसी के साथ कोई समर्थन नहीं होता है तो ऐसा करना चाहिए।

‘मेरी माटी मेरा देश’ कार्यक्रम के लिए ली गयी बिरसा उरांव के घर से मिट्टी

बूथ संख्या 157 में कारगिल शहीद बिरसा उरांव के घर से पवित्र मिट्टी का संग्रहण किया।

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुमला जिला के करोती पंचायत स्थित बूथ संख्या 157 में कारगिल शहीद बिरसा उरांव के घर से पवित्र मिट्टी का संग्रहण किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा ग्रामीण मंडल अंधक्ष स्थित देश के वीर शहीद लोहरा उरांव के घरों की पवित्र मिट्टी लेकर अमृत वाटिका की स्थापना की जायेगी। इसी के तहत प्रखड़ में अमृत कलश यात्रा की शुरुआत रविवार को प्रखड़ के पैतृक आवास से मिट्टी कलश में लेकर की गयी है। प्रखड़ के कई वीर सपूत्रों के पैतृक आवास से मिट्टी कलश में लेकर की गयी है।



तौजवानों के समान में और भारत देश में स्थित सांस्कृतिक विरासत की गैरवशाली इतिहास को एक साथ सहेजने के लिये पवित्र मिट्टी से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर

अमृत वाटिका बना रहे हैं। जो हर आरतीओं के लिए गर्व का प्रत्यय है। मोदे के लिए जिला अध्यक्ष अनुपचन्द्र अधिकारी, पूर्व विधायक कमलेश उरांव, जिला संगठन प्रभारी बब्बन गुता, भूपन

साहू, निर्मल गोयल दामोदर कर्सा, राधेश्यम कुशवाहा, संजय वर्मा, अरविंद, रविंद्र बालकेश्वर विहारी, मिश्र सुमन इसके साथ कर्मचारी वर्षा गुता, भूपन

साहू, निर्मल गोयल दामोदर कर्सा, राधेश्यम कुशवाहा, संजय वर्मा, अरविंद, रविंद्र बालकेश्वर विहारी, मिश्र सुमन इसके साथ कर्मचारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और रुपेश, भारत, अध्यक्ष मिश्र मिथुन, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष अधिकारी वर्षा गुता, भूपन

सिंह, अम प्रकाश, संविच रमेश, अवधेश गोप और

संदेश : मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तरह भाजपा ने किया मिट्टी संग्रह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा : विष्णु दयाल राम

आजाद सिपाही संचाददाता



मेदिनीनगर। भाजपा के मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत पलामू संसदीय क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर मंडल के कंकारी ग्राम में रविवार को मिट्टी संग्रह अभियान चलाया गया। जिसमें बौद्ध मुख्य अतिथि पलामू के संसद विष्णु दयाल राम भी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चैनपुर मंडल अध्यक्ष शशी भूषण पांडे एवं संचालन महामंत्री सह संसद प्रतिनिधि भौता पांडे ने किया। इस दौरान एक सभा की गई, जिसके बाद घर-घर जाकर कलश में चुटकी देश कार्यक्रम के निमित्त ग्रामीण

भर मिट्टी एवं चावल संग्रह किया गया। संसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। यह यात्रा गांव से शुरू हो कर दिल्ली तक जाएगी। यह पावन यात्रा एक भारत श्रेष्ठ भारत के भाव से 140 करोड़ देशवासियों को जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि कलश में आई माटी और पोंगी के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के समीप अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। आज केंद्र में भाजपा की सरकार सबका साथ सबका विकास के साथ आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने देश के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। संसद ने कहा कि आज गांव की समस्या का गांव में ही समाधान हो रहा है। लोगों को अवास मिल रहा है। हमारी सरकार में निरंतर सड़कों

जी-20 विशेष



राष्ट्राध्यक्षों ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि



राजघाट पर पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का स्वागत किया।



राजघाट पर पीएम मोदी ने जी-20 के लेहमानों के साथ महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।



राजघाट पर इंटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का स्वागत करते हुए पीएम मोदी।



मोदी ने राजघाट पहुंची बांगलादेशी की प्रधानमंत्री को शेख हसीना का स्वागत किया।



ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी के साथ ली सेल्फी

आजाद सिपाही संचादाता

नवी दिल्ली। जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष गवर्नर सुवृह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट पहुंचे। इस दौरान उनके साथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। मोदी ने सभी को खाली से बैठे शोल पहनकर सम्मानित भी किया। पीएम मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, सर्गई लावरेव और अन्य

यूके के पीएम ऋषि सुनक, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीस, कानाडाई पीएम जस्टिन टूडो, रूसी विदेश मंत्री सर्गई लावरेव और अन्य

राष्ट्राध्यक्षों और सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने एक मिनट का मौन रखा और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आर्थिक सहयोग समझौते को संपन्न करने के बारे में पीएम मोदी के साथ चर्चा करने की जानकारी दी। एंथनी अल्बनीज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पोस्ट में लिखा कि आज नवी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित एक सफल जी-20 बैठक के बाद ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईएस) के संपन्न होने के बारे में एक अच्छी द्विपक्षीय चर्चा हुई।



पीएम मोदी ने राजघाट पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का स्वागत किया।

जी-20 में 300 बैठकें, 15 मसौदे, यूक्रेन पर सहमति, विशेष टीम ने कर दिखाया कमाल

आजाद सिपाही संचादाता

नवी दिल्ली। भारत में जी-20 सम्मेलन का आयोजन बेहद सफल रहा। इससे जुड़ी विभिन्न चीजों की वर्ल्ड लेवल पर तारीफ हो रही है। इसके साथ ही साथ रणनीतिक लिंगाज से भी इस जी-20 सम्मेलन को काफी अहम माना गया है। यास्तोर पर यूक्रेन पर आम सहमति बनाने के लिए काफी कोशिशें की गयीं।

जी-20 के शेरापा अमिताभ कांत ने दिल्ली वोणा जारी होने के बाद बताया कि जी-20 बैठक में कई मुद्दों पर दुनिया के देशों में असहमति थी। लोकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में सबको एकरुप करने में कामयाबी हासिल हुई। इस सिलसिले में अमिताभ कांत ने अपने अधिकारियों की टीम का भी जिक्र किया, जिन्होंने इस कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

अभय ठाकुर:

विदेश मंत्रालय में अंतिरिक्त सचिव के पद पर तैनात अभय ठाकुर 1992 बैच के आइएफएस अधिकारी हैं। कई देशों नाइजीरिया, बेनिन, केमरून, चाड आदि में राजदूत रह चुके हैं। वे जी-20 के साउथ शेरापा भी हैं। वे जी-20 के बाद विविध देशों में दूसरे नंबर पर कामकाज देखते हैं।



नागराज नायडू काकानूर :

इस टीम के सदस्यों में से एक है नागराज नायडू, काकानूर। वह बैच के विदेश सेवा के अधिकारी हैं और और अंजकल जी-20 का काम देख रहे हैं। नागराज विदेश सेवा के 1998 बैच के अधिकारी हैं और अपने लंबे करियर के दौरान वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के स्थायी उप प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। वे आर्थिक कूटनीति के विशेषज्ञ माने जाते हैं तथा मंत्रालय की इससे संबंधित विभाग को नेतृत्व कर चुके हैं।

नागराज की एक खासियत यह ही है कि वह चीनी भाषा में पांच वर्ष हैं तथा 2000-2015 के हैं जो अमिताभ कांत के बाद विविध देशों में दूसरे नंबर पर कामकाज देखते हैं।

आशीष सिन्हा:

डिल्सोमैट्स की टीम में आशीष सिन्हा भी अहम सदस्य हैं। सिन्हा विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पूर्व सिन्हा राजनविक के रूप में अमेरिका में भारतीय मिशन में कार्य कर चुके हैं। अपनी जी-20 से जुड़े हैं। सिन्हा की खासियत की बात करें तो जलवायु से जुड़े मामलों में उनकी समझ काफी अच्छी है।

इनाम गंभीर:

इनाम गंभीर विदेश सेवा में बौद्धीर संयुक्त सचिव जी-20 का कामकाज देख रही है। इससे पहले वह संयुक्त राष्ट्र मुद्रालय में भी शांति एवं सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा में जिनवा विश्वविद्यालय से मास्टर अप्रणाली भूमिका निभायी।

डिग्री हासिल की है। वह दिल्ली के हिंदू कॉलेज से भी साइंस में एमए भी है। वे लातिन अमेरिकी देशों मैक्सिको, अजैटीना में भी भारतीय दूतावासों में सेवाएं देचुके हैं। वह स्पेनिस भाषा में एसपर्फ है।

अमिताभ कांत ने बतायी पूरी कहानी

जी-20 लीडर्स डिकोरेशन में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का उल्लेख करने से बचा गया और इसके बजाय सभी देशों से एक दूसरे की लिंगियों अंडंडाता एवं संस्कृत के सिद्धांतों का सम्बन्ध करने का आह्वान किया गया। अमिताभ कांत ने एक्स (पूर्व में ट्रिपट) पर इसके बारे में लिखा है। उन्होंने बताया कि पूरे जी-20 शिखर सम्मेलन का सबसे जटिल हिस्सा रूस-यूक्रेन पर आम सहमति बनाना था। यह 200 घंटे से अधिक समय तक लगातार बातचीत, 300 ड्रिप्पीय बैठकों, 15 ड्राफ्ट्स की साथ किया गया। उन्होंने नेतृत्व करने ने आम सहमति बनाने का आह्वान किया गया। भारत इस विवादित मुद्दे पर जी-20 देशों के बीच अभूतूर्व आम सहमति बनाने में कामयाब रहा और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं जैसे कि ब्राजील, दिल्ली अफ्रीका और इंडोनेशिया ने इसमें अग्रणी भूमिका निभायी।



मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

Class - X Class - IX

English Medium English Medium

Mathematics Mathematics

Science Science

Social Science Social Science

Hindi - B Hindi - B

Hindi Vyakaran - II Hindi Vyakaran - II

English Grammar - II English Grammar - II

Sanskrit Vyakaran - II Sanskrit Vyakaran - II

Hindi Practical Hindi Practical

English Practical English Practical

Maths Practical Maths Practical

Science Practical Science Practical

S. Science Practical S. Science Practical

Maths, Practical (Combined) Maths, Practical (Combined)

Science Practical (Combined) Science Practical (Combined)

English Medium English Medium

Mathematics Mathematics

Science Science

Social Science Social Science

Hindi - B Hindi - B

Hindi Vyakaran - II Hindi Vyakaran - II

English Grammar - II English Grammar - II

Sanskrit Vyakaran - II Sanskrit Vyakaran - II

Hindi Practical Hindi Practical

English Practical English Practical

Maths Practical Maths Practical

Science Practical Science Practical

S. Science Practical S. Science Practical

Maths, Practical (Combined) Maths, Practical (Combined)

Science Practical (Combined) Science Practical (Combined)

English Medium English Medium

Mathematics Mathematics

Science Science

Social Science Social Science

Hindi - B Hindi - B

Hindi Vyakaran - II Hindi Vyakaran - II

English Grammar - II English Grammar - II

Sanskrit Vyakaran - II Sanskrit Vyakaran - II

Hindi Practical Hindi Practical

English Practical English Practical

Maths Practical Maths Practical

Science Practical Science Practical

S. Science Practical S. Science Practical

Maths, Practical (Combined) Maths, Practical (Combined)

Science Practical (Combined) Science Practical (Combined)

English Medium English Medium

Mathematics Mathematics

Science Science

Social Science Social Science

Hindi - B Hindi - B

Hindi Vyakaran - II Hindi Vyakaran - II

English Grammar - II English Grammar - II